VII Class Hindi (Second Language)

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

बाल बगीचा - 2

FREE

कक्षा – 7

द्वितीय भाषा–हिंदी

VII Class Hindi

(Second Language)

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

बच्चो! इन सूचनाओं पर ध्यान दीजिए...

* यह पाठ्यपुस्तक आप के स्तर और रुचियों के अनुरूप बनायी गयी है। इससे आप अपने में भाषा कौशलों का विकास कर सकते हैं। इसके लिए आप अध्यापक का मार्गदर्शन व सहयोग ले सकते हैं।
* पाठ व अभ्यास करने के लिए गाइड, सब्जेक्ट मटेरियल, क्वश्चन बैंक आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। इनके अतिरिक्त 'शब्दकोश' का उपयोग करने से पाठ व अभ्यास आसानी से कर सकते हैं। इसके साथ-साथ समाचार पत्र, पुस्तकालय की पुस्तकें, बाल साहित्य आदि का पठन करना चाहिए, जिससे रचनात्मक व सारांशात्मक आकलन के उत्तर आसानी से लिख सकते हैं।
* हर पाठ के प्रारंभ में उन्मुखीकरण का चित्र दिया गया है। इस चित्र के माध्यम से आपको सबसे पहले संज्ञा शब्दों की पहचान, तत्पश्चात क्रिया शब्दों की पहचान और सोच-विचार के वाक्य बनाने की पहचान करनी चाहिए।
* हर पाठ में 'सुनो-बोलो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर सोच-विचार के देने चाहिए। इन प्रश्नों के उत्तर विचारात्मक होने चाहिए। इससे आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
* हर पाठ में 'पढ़ो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर पाठ पढ़कर देने चाहिए। पढ़ो अभ्यास का उद्देश्य आप में पढ़ने व अर्थग्राह्यता की क्षमता का विकास करना है।
* हर पाठ में 'लिखो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में देना चाहिए। इसे हम 'स्वरचना' भी कहते हैं। आपको अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करने चाहिए।
* हर पाठ में 'शब्द-भंडार' व 'भाषा की बात' के अभ्यास दिये गये हैं। इन अभ्यासों का हल समूहों में बैठकर करना चाहिए। आवश्यकतानुसार अध्यापक का सहयोग लेना चाहिए।
* 'परियोजना कार्य' स्वयं करके सीखने का कार्य है। इसे आप व्यक्तिगत या समूह में बैठकर करना चाहिए।
* हर पाठ में 'सृजनात्मक अभिव्यक्ति' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक, लिखित अथवा प्रदर्शन (अभिनय) के रूप में देने चाहिए जिससे आप में भाषा का सृजनशील विकास होता है।
* स्वमूल्यांकन के लिए 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' शीर्षक से एक तालिका दी गई है। आपको अपनी भाषाई क्षमता की जाँच स्वयं करनी चाहिए।

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके।

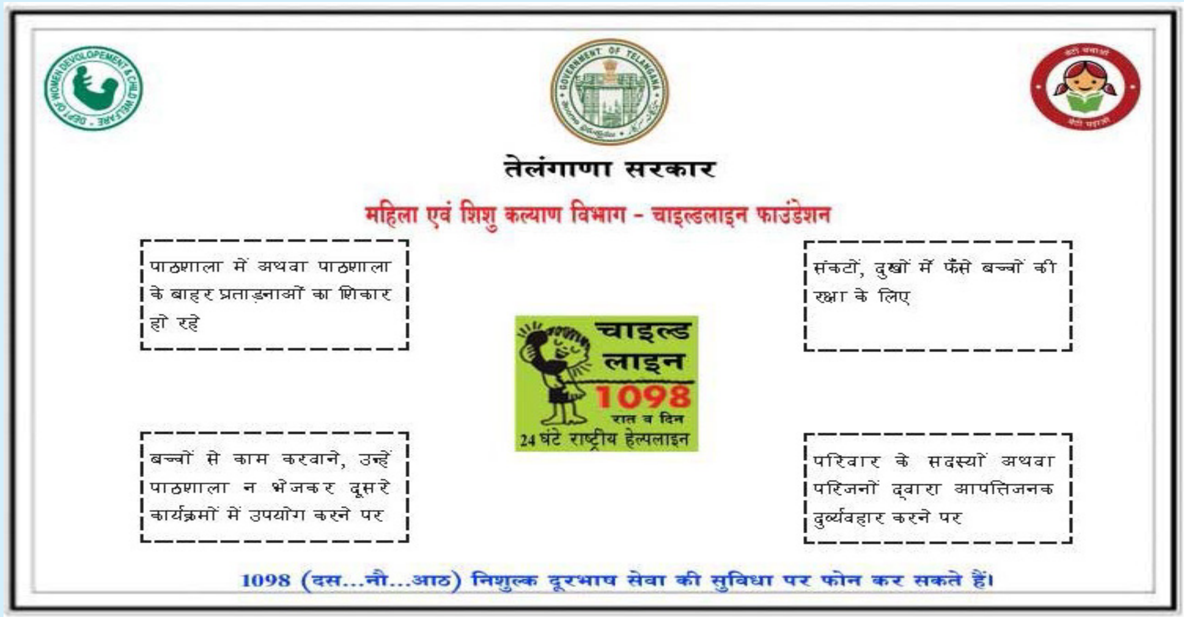

SCERT TELANGANA

बाल-बगीचा-2

कक्षा-7 हिंदी (द्‍वितीय भाषा)

Class-VII Hindi (Second Language)

प्रधान कार्यकारी अधिकारी : **श्रीमती बी. शेषु कुमारी**
निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा

कार्यकारी प्रधान आयोजक : **श्री बी. सुधाकर**
निदेशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस, तेलंगाणा राज्य

आयोजन प्रभारी : **डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी**
प्रोफेसर, पाठ्यक्रम व पाठ्यपुस्तक विभाग,
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

संपादक मंडल : **प्रो. टी. वी. कट्टीमनी**
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्‍यालय,हैदराबाद
प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद
प्रो. शुभदा वांजपे, उस्मानिया विश्वविद्‍यालय

समन्वयक : **श्रीमती पी. विजयलक्ष्मी**
प्राध्यापिका, आई. ए. एस. ई., नेल्लूर, आं. प्र.
सय्यद मतीन अहमद,
हिंदी विभाग, एस.सी.आर.टी., हैदराबाद
डॉ. पी. शारदा
हिंदी विभाग, एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य
श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त',
हिंदी विभाग, एस.सी.आर.टी., हैदराबाद

शैक्षिक सलाहकार : **डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री**
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्‍यालय
श्री सुवर्ण विनायक, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S
(विशेष सलाहकार लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना)
निदेशक, ACB तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्‍वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्‍या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।

क़ानून का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्‍वारा निशुल्क वितरण 2020-21

© Government of Telangana, Hyderabad.

First Published 2012
New Impressions - 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana Satate.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by T. S. Government 2020-21

Printed in India
at the Telangana State Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

— o —

SCERT TELANGANA

आमुख

तेलंगाणा राज्य में हिंदी भाषा शिक्षण द्‌वितीय भाषा के रूप में छठवीं कक्षा से आरंभ किया जाता है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः ग्यारह-बारह वर्ष की होती है। इस आयु में बालक भाषा का अर्थ और महत्व समझते तो हैं ही, साथ-साथ अपनी मातृभाषा व अंग्रेज़ी की भी जानकारी रखते हैं। इतना ही नहीं वे अपने अड़ोस-पड़ोस से भी कुछ हिंदी भाषा के शब्द सीख लेते हैं। हमें ज्ञात है कि बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों व एनसीएफ-2005, आरटीई-2009, एससीएफ-2010 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्‌य-पुस्तक का सृजन किया गया है।

त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम-से-कम तीन भाषाओं का ज्ञान कराना है। इस उद्‌देश्य से बालकों को छठवीं से दसवीं कक्षा तक द्‌वितीय भाषा के रूप में हिंदी सिखाना है। छठवीं कक्षा में हिंदी शिक्षण का आरंभ होता है। इस स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना व सहज, व्यावहारिक एवं मनोरंजक रूप से भाषार्जन के लिए प्रेरित करना हिंदी शिक्षण के उद्‌देश्य रहे हैं।

इस पाठ्‌य-पुस्तक में रंगीन चित्र, बालगीत, छोटे संभाषण, चित्रपठन, चित्रकथा, पठन पाठ, रोचक कहानियाँ आदि को स्थान दिया गया है। इनके अभ्यास सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना के अंतर्गत दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। इनके द्‌वारा छात्रों में, सोच-विचार कर उत्तर देने, तुलना कर निष्कर्ष निकालने और नवीन ज्ञान का संबंध पूर्व ज्ञान से जोड़ने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इससे बालक को सृजनशीलता के भरपूर अवसर मिलते हैं। वे अर्जित ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान की रचना करते हैं। ये अभ्यास पूर्णतः सहज व व्यावहारिक रूप से भाषार्जन करने में सहायक हैं।

पाठशाला शिक्षा विभाग द्‌वारा प्रकाशित विद्‌यालयीन पाठ्‌यपुस्तकों में लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना संबंधित मुद्‌दों को जोड़ा गया है। यूनिसेफ के समर्थन से बच्चों की सुरक्षा को आश्वस्त करने के लिए भिन्न-भिन्न हस्तक्षेपों जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, बाल लैंगिक प्रताड़ना, आत्मविश्वास, जीवन कौशल के क्षेत्रों में बाल सुरक्षा व्यवस्था तथा बाल सुरक्षा नियमों की सावधानी बरती गयी है।

अतः अध्यापकों को चाहिए कि इन विषयों के संबंध में अनिवार्य जानकारी रखें और छात्रों एवं उनसे जुड़े समुदायों तक पहुँचाएँ।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली तथा अन्य सभी राज्य परिषदों, जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है, उनके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं।

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

* इस पाठ्य-पुस्तक में 12 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। इन्हें निर्धारित वार्षिक पाठयोजना के अनुसार पढ़ायें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में अपेक्षित कौशलों व सामर्थ्यों की सूची दी गयी है। इसी के आधार पर छात्रों में दक्षताओं का विकास करने पर ध्यान दें।
* पाठ्य-पुस्तक में पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं। इनके माध्यम से बच्चों से बातचीत करवायें। दिये गये प्रश्नों के आधार पर बालकों को विविध दृष्टिकोण से सोचने का अवसर दें।
* पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र या प्रस्तावना चित्र से आरंभ हुआ है। इनसे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें। बालगीत, कविता आदि श्यामपट पर लिखें, पढ़ें, पढ़वायें, सुनायें। अभिनययुक्त पठन-पाठन करवायें।
* हर पाठ के अभ्यास में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना कौशलों से संबंधित अभ्यासों के साथ-साथ शब्द-भंडार, भाषा की बात, सृजनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधित अभ्यास भी दिये गये हैं। इन सभी का सदुपयोग कर, छात्रों में भाषागत कौशलों व विविध दक्षताओं का समुचित विकास करने का प्रयास करें। बालगीत या वार्तालाप या कहानी आदि पाठों के लिए सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में सामूहिक रूप से करवायें। सबको स्वतंत्र व सहज रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
* पढ़ना-लिखना अभ्यास कार्य छात्रों को समूहों में बाँटकर करवायें, जिससे उनमें सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रवृत्ति का विकास हो। इन अभ्यास कार्यों के निर्देश छात्रों को भली-भाँति समझने का अवसर दें, जिससे वे स्वयं अभ्यास कर सकें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में ही अभ्यास पुस्तिका निहित है। अतः इसके साथ-साथ छात्रों के पास एक कक्षा कार्य पुस्तिका हो जिसमें वे पाठ संबंधी लेखन कार्य कर सकें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में बालक के व्यावहारिक जीवन में आनेवाली शब्दावली का प्रयोग किया गया है। इस पर ध्यान देते हुए भाषा-अधिगम की प्रक्रिया का संबंध बालक के जीवन से जोड़ें ताकि बालक सरलता से भाषागत विकास कर सकें।
* यह पुस्तक बालक को पुस्तकालय की विविध पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरणा देती है। अतः इस दिशा में बालकों को प्रेरित करें।
* प्रत्येक इकाई में पठन हेतु दो-दो पाठ भी दिये गये हैं। इससे छात्र स्वयं पठन करके आत्मसात करने की क्षमता का विकास कर सकेंगे। इस संदर्भ में अध्यापक छात्रों का सहयोग व मार्गदर्शन करें।
* विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानव मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दें, जिससे छात्र आदर्श नागरिक बन सकें।

SCERT TELANGANA

सहभागी गण

श्री सय्यद मतीन अहमद
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

डॉ. पी. शारदा
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

कुमारी ऋतु भसीन
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. राजीव कुमार सिंह
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. शेख़ अब्दुल ग़नी
जिला हिंदी संसाधक, नलगोंडा

डॉ. सैयद एम. एम. वजाहत
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती कविता
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती बी. वी. शारदा देवी
जिला हिंदी संसाधक, पूर्व गोदावरी

श्रीमती जी. किरण
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती जयश्री लोहारेकर
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद उमर अली
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद उसमान
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद अज़मत खान
हिंदी अध्यापक, रंगारेड्डी

श्री जी. तिरुपति रेड्डी
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. पठान रहीम खान
सहायक आचार्य, एम.ए.एन.यु विश्वविद्यालय

श्री मोहम्मद कलीम
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

चित्रांकन

श्री बीरा श्रीनिवास
खम्मम, तेलंगाणा राज्य

श्री कुरेल्ला राघवचारी
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री वड्डेपल्ली वेंकटेशम
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री टी. वी. राधाकृष्णा
मेदक, तेलंगाणा राज्य

श्री चेंचला वेंकटरमणा
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

डी. टी. पी. एवं लेआउट : श्रीमती एन. हेमलता, आरीफ़ा सुल्ताना - तेलंगाणा हिंदी अकादमी, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्ल कुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

-बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा।।
परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।
गोदी में खेलती हैं, इसकी हज़ारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा।।
मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम वतन हैं, हिंदोस्ताँ हमारा।।

- मोहम्मद इक़बाल

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

SCERT TELANGANA

क्या कहाँ है?

इकाई	क्र. सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ सं.
I.	1.	मन करता है	कविता	जून	01
	2.	सच्चा दोस्त	कहानी	जुलाई	05
		अगर पेड़ भी चलते होते	कविता	जुलाई	11
	3.	हिंदी दिवस	संवाद	जुलाई	12
		चूहे को मिली पेंसिल	कहानी	जुलाई	18
II.	4.	अपना प्यारा भारत देश	कविता	अगस्त	20
	5.	आसमान गिरा	कहानी	अगस्त	24
		बादल	कहानी	अगस्त	30
	6.	छुट्टी पत्र	पत्र	सितंबर	31
		नन्हा मुन्ना राही हूँ...	कविता	सितंबर	35
III.	7.	चारमीनार	कविता	अक्तूबर	36
	8.	हमारे त्यौहार	संवाद	अक्तूबर	41
		स्वच्छता और स्वास्थ्य	निबंध	नवंबर	47
	9.	गुसाडी	आत्मकथा	नवंबर	48
		प्यारी बिटिया	कविता	नवंबर	53
IV.	10.	कबीर के दोहे	कविता	दिसंबर	54
	11.	साहसी सुनीता	कहानी	जनवरी	59
		घंटे की आवाज़	चित्रकथा	फरवरी	64
	12.	आत्मविश्वास	कहानी	फरवरी	66
		कंजूस सेठ	कहानी	फरवरी	70

ये पाठ केवल पढ़ने के लिए हैं।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

सीखने की संप्राप्तियाँ

हिंदी

कक्षा सात

बच्चे....

- किसी सामग्री को पढ़ते हुए लेखक द्वारा रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचारों को समझकर और अपने अनुभवों के साथ उनकी संगति, सहमति या असहमति के संदर्भ में अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं।
- विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे-जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि।
- अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों पर सुनायी जा रही सामग्री, जैसे-कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।
- पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए बेहतर समझ के लिए प्रश्न पूछते, परिचर्चा करते हैं।
- अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में चर्चा करते हैं और उनकी सराहना करते हैं।
- किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, मानचित्र, इंटरनेट या अन्य पुस्तकों का प्रयोग करते हैं।
- चित्र में या क्रमवार सजाये चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना करते हैं।
- अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आगे बढ़ाते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।

SCERT TELANGANA

इकाई - I

1. मन करता है

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा हैं?
2. लड़के क्या कर रहे हैं?
3. वे एक दूसरे से क्या बात कर रहे होंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

मन करता है सूरज बनकर
आसमान में दौड़ लगाऊँ।

मन करता है चंदा बनकर
सब तारों पर अकड़ दिखाऊँ।

मन करता है तितली बनकर
दूर-दूर तक उड़ता जाऊँ।

मन करता है कोयल बनकर
मीठे-मीठे बोल सुनाऊँ।

मन करता है चिड़िया बनकर
चीं-चीं-चूँ-चूँ शोर मचाऊँ।

मन करता है चरखी लेकर
पीली-लाल पतंग उड़ाऊँ।

-सुरेंद्र विक्रम

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. आपका मन क्या-क्या करने को कहता है?

2. आप अपने घर में किसके गुण अधिक पसंद करते हैं? क्यों?

पढ़ो

1. कौन क्या करता है? जोड़ी बनाइए।

सूरज	दूर-दूर तक उड़ती है।
चाँद	मीठे-मीठे गीत सुनाती है।
तितली	आसमान में दौड़ लगाता है।
कोयल	शोर मचाती है।
चिड़िया	तारों पर अकड़ दिखाता है।

2. कविता में बालक का मन क्या-क्या करने को कहता है? बताइए।

....

....

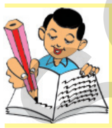

लिखो

1. पतंग के बारे में दो वाक्य लिखिए।

....

....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

1. पतंग की तरह हवा में क्या-क्या उड़ सकते हैं?

....

भाषा की बात

पढ़ो-समझो

दौड़ लगाऊँ	अकड़ दिखाऊँ
उड़ता जाऊँ	कहानी सुनाऊँ
शोर मचाऊँ	पतंग उड़ाऊँ

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. पतंग का चित्र बनाकर रंग भरिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं अभिनय के साथ कविता गा सकता/सकती हूँ।		
2. मैं कविता का भाव अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

बचपन सुंदर होता है। - *सुभद्रा कुमारी चौहान*

SCERT TELANGANA

2. सच्चा दोस्त

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या हैं?
2. पेड़ के बारे में कुछ बताइए।
3. वे आपस में क्या बातें कर रहे होंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

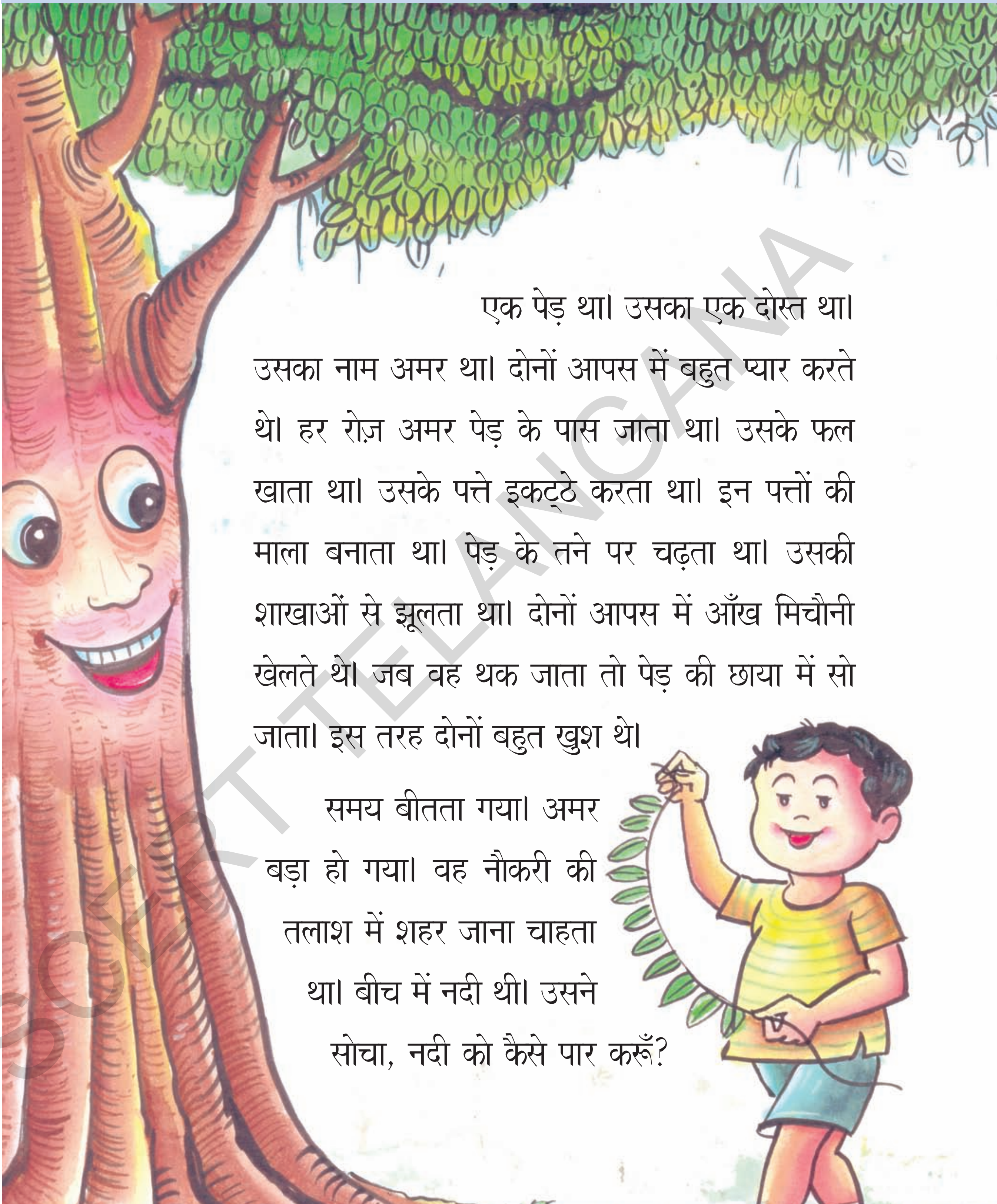

एक पेड़ था। उसका एक दोस्त था। उसका नाम अमर था। दोनों आपस में बहुत प्यार करते थे। हर रोज़ अमर पेड़ के पास जाता था। उसके फल खाता था। उसके पत्ते इकट्ठे करता था। इन पत्तों की माला बनाता था। पेड़ के तने पर चढ़ता था। उसकी शाखाओं से झूलता था। दोनों आपस में आँख मिचौनी खेलते थे। जब वह थक जाता तो पेड़ की छाया में सो जाता। इस तरह दोनों बहुत खुश थे।

समय बीतता गया। अमर बड़ा हो गया। वह नौकरी की तलाश में शहर जाना चाहता था। बीच में नदी थी। उसने सोचा, नदी को कैसे पार करूँ?

SCERT TELANGANA

सोचते हुए पेड़ के पास गया। पेड़ को अपनी समस्या बतायी। पेड़ ने कहा- ''मेरी शाखाएँ काटो। नाव बना लो।'' अमर ने वैसा ही किया। अमर शहर चला गया। वहाँ खूब पैसा कमाया। गाँव लौटा। लौटने के कुछ दिन पहले उसके गाँव में तूफ़ान आया था। तूफ़ान के कारण अमर का घर टूट गया था। वह पेड़ के पास पहुँचा। पेड़ ने कहा- ''मेरा तना काटकर अपना घर बना लो।'' अमर ने वैसा ही किया।

बहुत समय बीत गया। अब अमर बूढ़ा हो गया था। वह सर्दी में काँपते हुए पेड़ के पास पहुँचा। पेड़ ने कहा - ''मेरी सूखी लकड़ियाँ जलाकर अपनी सर्दी भगाओ।'' अमर ने वैसा ही किया।

इस तरह पेड़ ने अपनी सच्ची दोस्ती निभायी। अपना सब कुछ दान कर दिया। अपने सच्चे दोस्त को खोकर अमर बड़ा दुखी हुआ। उसने पौधा लगाने का निर्णय लिया।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. अमर और पेड़ की दोस्ती के बारे में बताइए।

2. पेड़ हमारा सच्चा दोस्त है। कैसे?

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्यों को उचित क्रम में बताइए।

- इस तरह पेड़ ने सच्ची दोस्ती निभायी। (   )
- अमर का घर टूट गया। (   )
- उसका एक दोस्त था। (1)
- सब कुछ दान कर दिया। (   )
- मेरी शाखाएँ काटो, नाव बना लो। (   )

SCERT TELANGANA

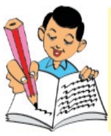

लिखो

(अ) पेड़ से हमें क्या-क्या लाभ हैं?

....

....

....

शब्द भंडार

(अ) निम्न शब्दों के अर्थ गुब्बारों से चुनकर लिखिए।

दोस्ती =	पेड़ =
तलाश =	माला =
इकट्ठा =	

(आ) नीचे दिये गये अंक देखिए।

11 -	ग्यारह	16	-	सोलह
12 -	बारह	17	-	सत्रह
13 -	तेरह	18	-	अठारह
14 -	चौदह	19	-	उन्नीस
15 -	पंद्रह	20	-	बीस

(इ) इन शब्दों को अलग कीजिए और लिखिए।

खिड़की	गिलास	मेज़	कलम	पंखा
बल्ला	किताब	कुर्सी	थैली	दरवाज़ा

लकड़ी से बनी वस्तुएँ	अन्य वस्तुएँ

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

(अ) समझो-पढ़ो।

एक पेड़ - अनेक पेड़	एक फल - अनेक फल
एक फूल - अनेक फूल	एक शहर - अनेक शहर
एक घर - अनेक घर	एक गाँव - अनेक गाँव

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) निम्न संकेतों के आधार पर पेड़ के बारे में लिखिए।

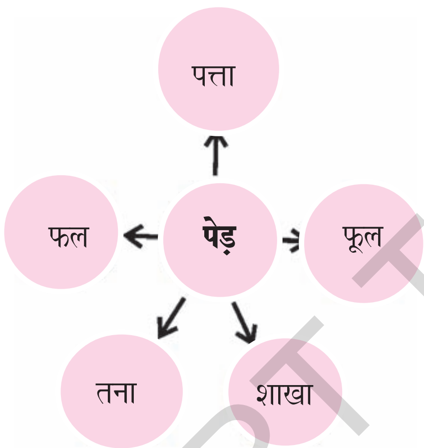

....

....

....

....

....

....

....

....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

पेड़-पौधे लगाइए देश को हरा-भरा बनाइए।

SCERT TELANGANA

अगर पेड़ भी चलते होते

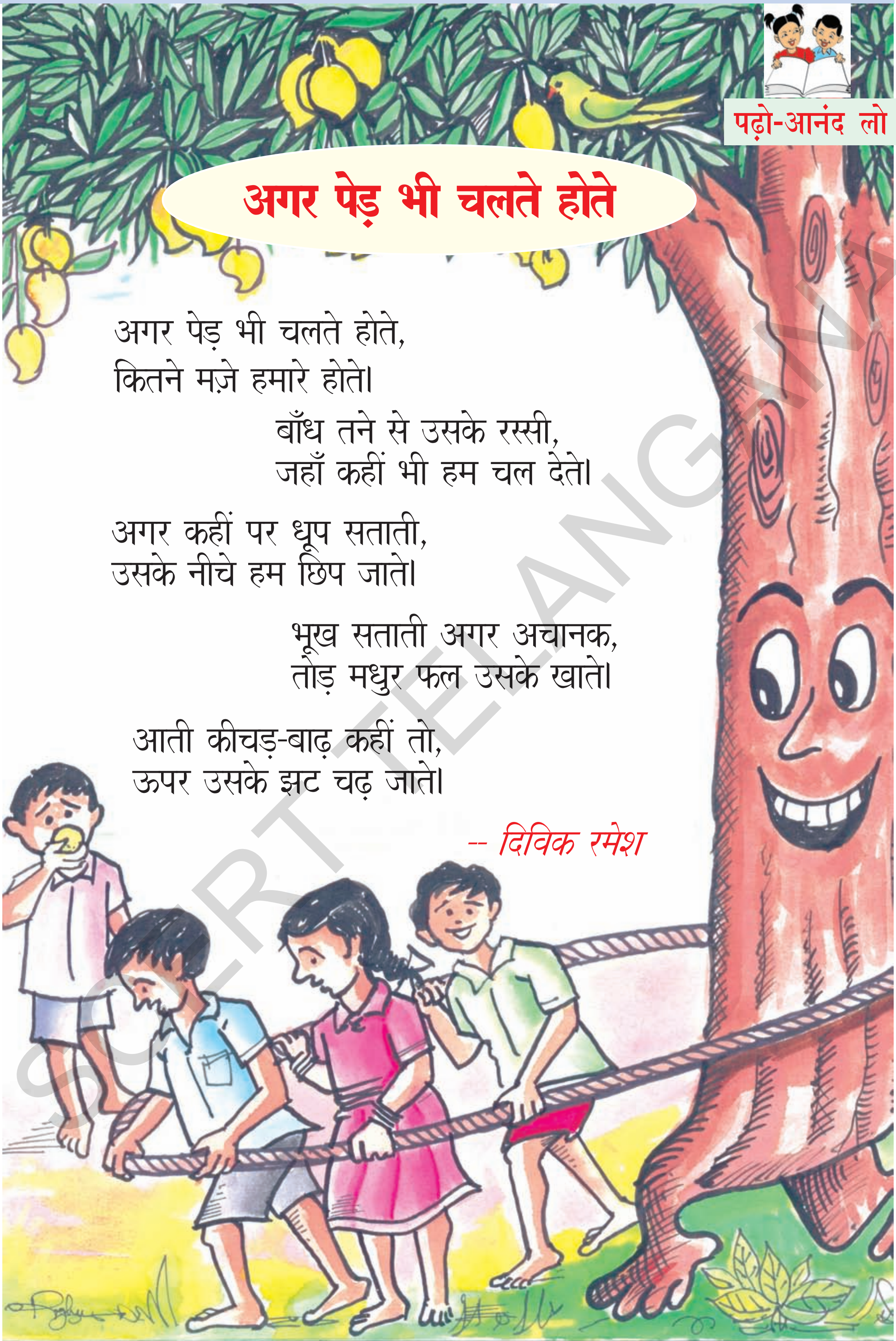

अगर पेड़ भी चलते होते,
कितने मज़े हमारे होते।

बाँध तने से उसके रस्सी,
जहाँ कहीं भी हम चल देते।

अगर कहीं पर धूप सताती,
उसके नीचे हम छिप जाते।

भूख सताती अगर अचानक,
तोड़ मधुर फल उसके खाते।

आती कीचड़-बाढ़ कहीं तो,
ऊपर उसके झट चढ़ जाते।

-- दिविक रमेश

SCERT TELANGANA

3. हिंदी दिवस

सोचो-बोलो

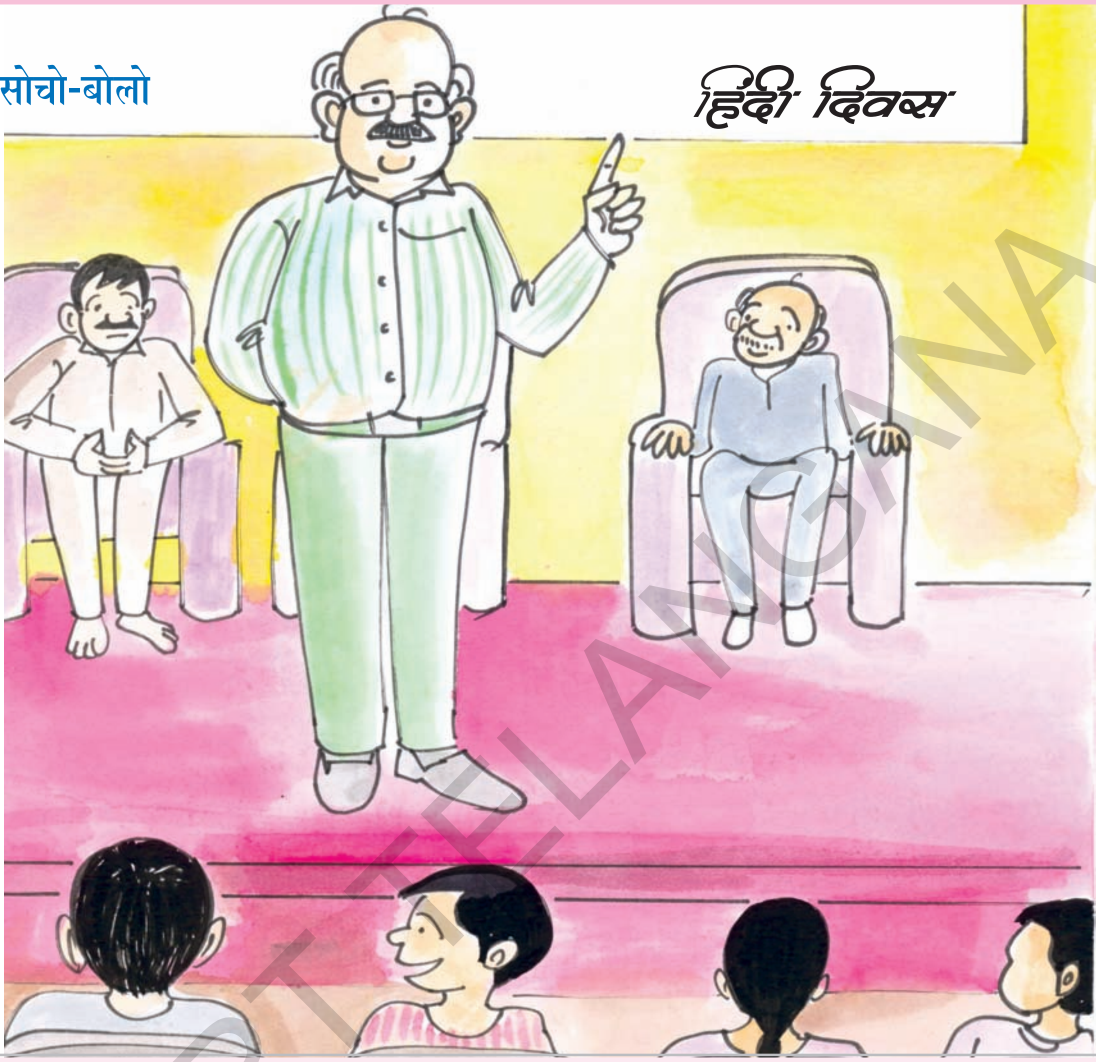

SCERT TELANGANA

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. बायीं ओर देख रहा लड़का किसके बारे में पूछ रहा होगा?
3. मंच पर खड़ा आदमी क्या बोल रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

(सरिता और रोज़ी दोनों सहेलियाँ हैं। रास्ते में मिलती हैं, बातचीत करती हुई चलती हैं)

रोज़ी : क्या बात है सरिता? तुम आज बड़ी खुश हो। कहाँ से आ रही हो?

सरिता : अपने विद्यालय से...। कल एक विशेष कार्यक्रम है। उसी की तैयारी चल रही है।

रोज़ी : अच्छा, तो तुम्हारे स्कूल में भी हिंदी दिवस मनाया जा रहा है।

सरिता : हाँ, कल 14 सितंबर है न, इसीलिए तो मैं तुम्हें बुला रही थी। मुझे भी गीत सिखा दो न...

रोज़ी : ठीक है। मैं तुम्हें सुनाती हूँ। ध्यान से सुनो और सीख लो।
हिंदी सीखो, हिंदी बोलो, हिंदी को अपनाओ।
आओ सब मिलकर गाओ, हिंदी दिवस मनाओ।

सरिता : हिंदी दिवस 14 सितंबर को ही क्यों मनाते हैं?

रोज़ी : हमारे अध्यापक जी ने बताया था कि 14 सितंबर, 1949 को संविधान में हिंदी राजभाषा के रूप में अपनाई गई।

सरिता : समझ गई। इसलिए हर साल इस दिन हिंदी दिवस मनाया जाता है। लेकिन हिंदी को ही देश की राजभाषा क्यों चुना गया?

रोज़ी : क्योंकि हिंदी बोलने वाले हमारे देश में सबसे अधिक हैं, लेकिन तुम भी तो बताओ, तुम भाषण में क्या कहोगी?

सरिता : तो सुनो... (अभिनय करते हुए बताती है)

- आदरणीय प्रधानाध्यापक जी! गुरुजन! एवं मेरे प्रिय सहपाठियो!

आप सबको हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिंदी हमारे देश की राजभाषा है।

इसे सीखना हमारे लिए बहुत ज़रूरी है...

(सरिता ने भाषण में और क्या-क्या कहा होगा?)

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1.विद्यालय में हिंदी दिवस के कार्यक्रम में क्या-क्या हुआ होगा?

2.हिंदी सीखने से क्या-क्या लाभ है?

पढ़ो

(अ) ऐसा किसने कहा? पाठ के आधार पर लिखिए।

- मैं तुम्हें सुनाती हूँ। ....
- लेकिन तुम भी तो बताओ, तुम भाषण में क्या कहोगी? ....
- कल एक विशेष कार्यक्रम है। ....
- हिंदी सीखो, हिंदी बोलो, हिंदी को अपनाओ। ....
- क्या बात है सरिता? ....
- उसी की तैयारी चल रही है। ....
- कहाँ से आ रही हो? ....

लिखो

(अ) नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. हिंदी सीखने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?
2. अपने घर में या आसपास रहने वाले किन-किन लोगों से आप हिंदी में बात कर सकते हैं?

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) वर्गपहेली में कुछ भाषाओं के नाम दिये गये हैं। चुनकर लिखिए।

हिं	सा	बी	ते	क	म
दी	जा	पा	लु	न्न	ल
पं	ज	व	गु	ड़	या
गु	ज	रा	ती	उ	ल
रा	सिं	धी	न	र्दू	म

जैसे :- तेलुगु

....

....

....

....

भाषा की बात

पाठशाला में मनाये जाने वाले किन्हीं चार कार्यक्रमों के नाम लिखिए।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

हिंदी का महत्व बताते हुए अपने विचार लिखिए।

....

....

....

....

SCERT TELANGANA

....

....

....

....

परियोजना कार्य

किसी एक बालगीत का संकलन कीजिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं शब्द के अर्थ पहचान सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

विचार-विमर्श

अपना दुःख-दर्द, निराशा, समस्या, अपने माता-पिता, अध्यापक या दोस्त को बताने से कम हो जाती है। कई बार समस्या का समाधान भी मिल जाता है। तुम अपना दुःख-दर्द किसे बताते हो?

हिंदी देश को जोड़ने वाली कड़ी है। - *रामधारी सिंह दिनकर*

SCERT TELANGANA

पढ़ो-आनंद लो

चूहे को मिली पेंसिल

एक चूहा था। उसे बहुत भूख लग रही थी। वह खाने के लिए कुछ ढूँढ रहा था। उसे एक पेंसिल मिली।

पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली-

“मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो। मैं तुम्हारे किस काम की हूँ? मैं तो लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।”

चूहे ने कहा- “मैं तुम्हें कुतरूँगा” । मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ न कुछ कुतरना पड़ता है।” यह कहते-कहते चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

“उई, मुझे दर्द हो रहा है” पेंसिल ने कहा। “मुझे एक आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम जो चाहे करना।” “ठीक है”, चूहे ने कहा, “तुम चित्र बना लो। फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर दूँगा।”

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। उसने एक बड़ा-सा गोला और उसके अंदर तीन छोटे गोले बना दिये। “यह क्या पनीर का टुकड़ा है?” चूहे ने पूछा। “चलो, हम इसे पनीर बोलेंगे।”, पेंसिल ने मान लिया।

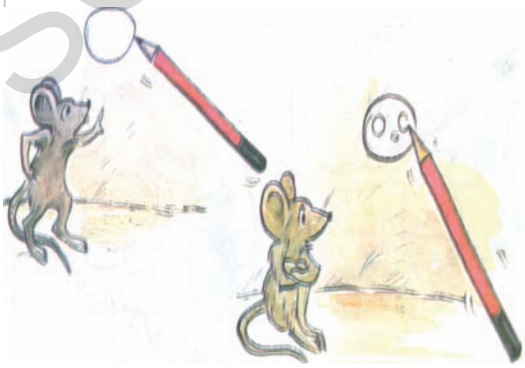

फिर उसने बड़े गोले के नीचे एक बड़ा गोला बनाया। “अरे! यह तो सेब है।”, चूहा चहका। “हाँ, इसे सेब कह लेते हैं,” पेंसिल ने कहा।

SCERT TELANGANA

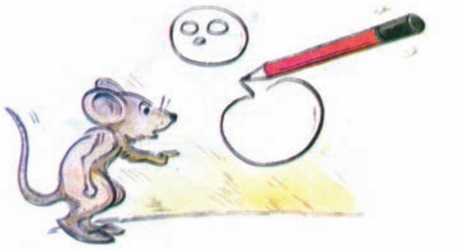

पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब चित्र बनाने लगी। ''अरे वाह! अब तो मज़ा ही आ गया। ये तो ककड़ी है।'' चूहे के मुँह में पानी आने लगा। ''जल्दी करो। मुझे खाना है।''

पेंसिल ने ऊपर वाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोने बना दिये। ''अरे, अरे।'' चूहा चीखा। ''अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगी। और आगे मत बनाओ।''

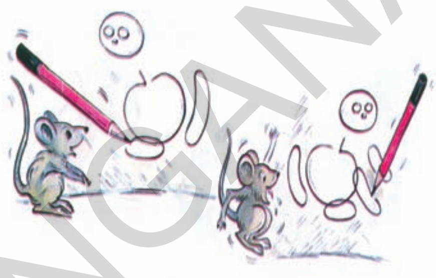

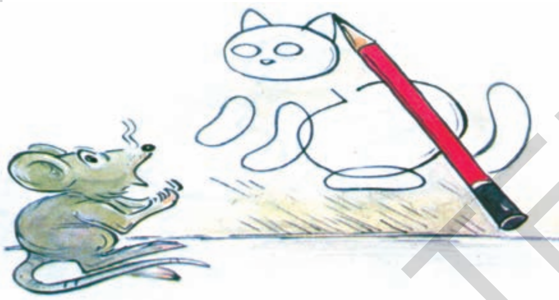

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लंबी-लंबी मूँछें और मुँह बनाया।

चूहा डरकर चिल्लाया। ''अरे बाप रे! यह तो बिल्कुल

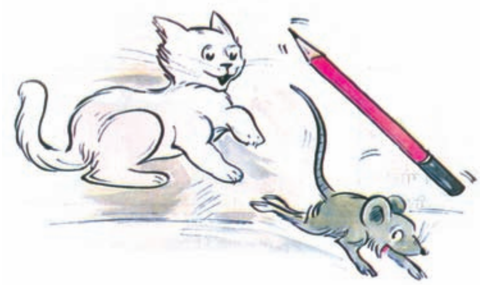

असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।''

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल में घुस गया।

SCERT TELANGANA

इकाई - II

4. अपना प्यारा भारत देश

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. सब बच्चे क्या नारे लगा रहे होंगे?
3. नारे लगाते बच्चों के मन में कौन से भाव होंगे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

जग में सबसे न्यारा देश,
अपना प्यारा भारत देश।
हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई,
की आँखों का तारा देश

ऊँचे शिखरों वाला देश,
चंचल नदियों वाला देश।
सोने, चाँदी, हीरे जैसी,
फसलों वाला प्यारा देश।।

इसके कण-कण में संदेश,
ऐसा पावन है यह देश।
है धरती का स्वर्ग यही,
अपना प्यारा भारत देश।।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. भारत देश तुम्हें क्यों प्यारा है?
2. कविता में भारत को 'धरती का स्वर्ग' क्यों कहा गया है?

पढ़ो

(अ) कविता पढ़िए और निम्नलिखित भाव किन पंक्तियों में हैं? उन पंक्तियों को लिखिए।

- हमारा भारत देश पवित्र है, क्योंकि इसके कण-कण में संदेश है।

....

....

(आ) कविता में पहले क्या आया है? उसे क्रम 1, 2, 3 और 4 दीजिए।

- ऐसा पावन है यह देश ( )
- अपना प्यारा भारत देश ( )
- है धरती का स्वर्ग यही ( )
- इसके कण-कण में संदेश ( )

लिखो

(अ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. हमारा देश किन-किन कारणों से सुंदर लगता है?

....

....

....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) डिब्बे में से एक जैसे अर्थ वाले शब्दों की तालिका बनाइए।

उदा : भूमि	धरती

दुनिया नयन नक्षत्र स्वर्ण
पवित्र भूमि बड़े धरती
तारा सोना जग ऊँचे
आँखें पावन

भाषा की बात

(अ) रेखांकित शब्द पढ़ो-समझो।

भारत एक <u>विशाल</u> देश है। इसकी संस्कृति बहुत <u>प्राचीन</u> है। इसकी गरिमा <u>महान</u> है। यह विश्व का <u>सुंदर</u> देश है। यहाँ <u>अनेक</u> भाषाएँ बोली जाती हैं।

जो शब्द संज्ञा, सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं। जैसे - मोटा, चतुर, गरीब, खट्टा, आधा, पूरा, एक, दस, दूसरा, थोड़ा, बहुत आदि।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) देशभक्ति से संबंधित दो नारे लिखिए।

1. .... 2. ....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं कविता के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं कविता का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

5. आसमान गिरा

सोचो-बोलो

SCERT TELANGANA

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. शेर कुएँ में देखकर क्या सोच रहा होगा?
3. खरगोश शेर से क्या कह रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

एक खरगोश था। वह पेड़ के नीचे सो रहा था। अचानक ज़ोर की आवाज़ हुई - ''धम्म'' खरगोश उठ बैठा। वह बोला, 'अरे! क्या गिरा?' खरगोश ने इधर-उधर देखा। उसे कुछ दिखायी नहीं दिया। उसे लगा आसमान गिर रहा है। खरगोश डर गया और भागने लगा।

भागते-भागते उसे एक लोमड़ी मिली। उसने पूछा- 'खरगोश भाई, कहाँ जा रहे हो? ज़रा सुनो तो।'

खरगोश भागते-भागते बोला - 'आसमान गिर रहा है, भागो! भागो! जल्दी भागो!'

लोमड़ी भी भागने लगी। आगे जाकर उन्हें एक भालू मिला। भालू बोला- 'ठहरो, ठहरो! कहाँ भागे जा रहे हो?'

खरगोश और लोमड़ी बोले - 'भागो! तुम भी भागो। आसमान गिर रहा है।'

भालू भी उनके साथ भागने लगा। खरगोश, लोमड़ी और भालू भागते-भागते एक हाथी के पास से निकले। हाथी - 'अरे! सब क्यों भागे जा रहे हो? ठहरो कुछ बताओ तो।'

भालू बोला - 'आसमान गिर रहा है, तुम भी भागो।' हाथी भी भागने लगा। सब भाग रहे थे - आगे-आगे खरगोश, उसके पीछे-पीछे लोमड़ी, उसके पीछे भालू और सबके पीछे हाथी।

भागते-भागते उन्हें शेर मिला। उसने पूछा - 'तुम सब क्यों भागे जा रहे हो?'

हाथी बोला - 'आसमान गिर रहा है। तुम भी भागो।'

SCERT TELANGANA

शेर ने दहाड़ कर कहा - 'आसमान गिर रहा है। कहाँ गिर रहा है? रुको।' यह सुनकर सभी जानवर रुक गये। शेर ने पूछा - 'किसने कहा आसमान गिर रहा है?'

हाथी बोला - 'भालू ने कहा।'

भालू बोला - 'मुझसे तो लोमड़ी ने कहा।'

लोमड़ी बोली - 'मुझसे तो खरगोश ने कहा था। सबसे पहले इसी ने कहा था।'

खरगोश चुप रहा। शेर बोला - 'खरगोश! कहाँ गिर रहा है आसमान?'

खरगोश ने कहा - 'मैं तो पेड़ के नीचे सो रहा था। वहीं धम्म से आसमान गिरा।'

शेर ने कहा - 'चलो, चलकर देखें।'

वे सब उस पेड़ के नीचे गये। सबने पेड़ के नीचे देखा। वहाँ एक बड़ा-सा फल गिरा पड़ा था। तभी वैसा ही एक और फल गिरा - धम्म! खरगोश चौंक गया।

शेर बोला - 'तो यही तुम्हारा आसमान था। लो फिर आसमान गिरा। भागो!'

और सभी हँसने लगे।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. भागते समय खरगोश ने क्या सोचा होगा?

2. सब क्यों हँस पड़े?

पढ़ो

इन वाक्यों को पाठ के आधार पर क्रम (1..., 5) दीजिए।

- खरगोश डरकर भागने लगा। ( )
- शेर ने पूछा - 'किसने कहा, आसमान गिर रहा है?' ( )
- भागते-भागते खरगोश को एक लोमड़ी मिली। ( )
- खरगोश वृक्ष के नीचे सो रहा था। (1)
- तभी वैसा ही एक और फल गिरा। ( )

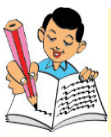

लिखो

(अ) खरगोश के पीछे कौन-कौन भाग रहे थे? क्यों?

....

....

....

....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) तालिका में नीचे गिरने पर आवाज़ आने वाली और आवाज़ नहीं आने वाली चीज़ों के उदाहरण लिखिए।

आवाज़ आती है।	आवाज़ नहीं आती है।
नारियल	रूई

(आ) नीचे दी गयी वर्ग-पहेली से जानवरों के नाम चुनकर लिखिए।

ख	र	गो	श	हा
प	भा	न	क्ष	थी
शे	ग	लू	बा	ची
र	धा	हि	र	ण
ची	ता	प	व	ल

उदाः- खरगोश

....

....

....

....

....

भाषा की बात

पाठ में खरगोश, लोमड़ी, भालू, हाथी, शेर आदि जानवरों के नाम आये हैं। ऐसे नाम वाले शब्द जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के बारे में बतलाते हैं, उन्हें संज्ञा कहते हैं।

नीचे कुछ उदाहरण दिये गये हैं। उन्हें ध्यान से देखो।

- रमेश कलम से लिखता है।
- लड़के मैदान में खेलते हैं।
- सुनीता पढ़ाई में आगे है।
- ग्वाला दूध लाता है।
- पाठशाला में सभा चल रही है।

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने मनपसंद प्राणी का चित्र बनाकर उसके बारे में दो वाक्य लिखिए।

....

....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता /सकतीहूँ।		

हमें सोच-समझकर काम करना चाहिए।

विचार-विमर्श

हम भी कभी-कभी बिना सोचे, बिना जाँचे-परखे, किसी की बात सच मान लेते हैं। ऐसा करने से क्या नुकसान हो सकता है?

SCERT TELANGANA

बादल

पढ़ो-आनंद लो

एक लड़का था। उसका नाम भरत था। वह नयी-नयी बातें जानना चाहता था। एक दिन वह पाठशाला से आ रहा था। आसमान में बादल छाये हुए थे। घर अभी कुछ दूर था। इतने में बड़ी-बड़ी बूँदें गिरने लगीं। भरत भागता हुआ घर पहुँचा। फिर भी वह भीग गया था।

भरत को देखते ही पिताजी बोले- ''जाओ, कपड़े बदल लो, नहीं तो सर्दी लग जाएगी।''

कपड़े बदलते ही भरत सोचने लगा- आसमान में पानी कहाँ से आता है? बादल आने पर ही वर्षा क्यों होती है? उसने सोचा, पिताजी से पूछना चाहिए। वह कपड़े बदलकर पिताजी के पास गया।

भरत ने पूछा- ''पिताजी! वर्षा का पानी कहाँ से आता है?''

''बादलों से!'' पिताजी ने बताया।

भरत ने फिर पूछा- ''लेकिन बादलों में इतना पानी कहाँ से आता है?''

पिताजी ने समझाते हुए कहा- ''बेटा, तालाबों, नदियों और समुद्रों में पानी होता है। सूर्य की तेज़ गर्मी से यही पानी भाप में बदल जाता है। फिर भाप आसमान में जाकर बादल बन जाती है।''

भरत ने प्रश्न किया- ''पिताजी! भाप, बादल कैसे बन जाती है?'

पिताजी ने उत्तर दिया- ''भाप हलकी होती है। हलकी होने के कारण यह ऊपर उठती है। ऊपर होती है ठंड! ठंड से ही भाप फिर से पानी की बहुत ही नन्हीं-नन्हीं बूँदों का रूप ले लेती हैं।बादल ऐसी ही नन्हीं-नन्हीं बूँदों का समूह है।''

पिताजी भरत को रसोईघर में ले गये। वहाँ माँ चाय बना रही थीं। चूल्हे पर केतली रखी थी। केतली के मुँह से भाप ऊपर की ओर उठ रही थी। पिताजी ने ठंडे पानी से भरा एक गिलास उठाया। इस गिलास को वे भाप के पास ले आये। कुछ देर गिलास को वहीं पकड़े खड़े रहे।

भरत ने देखा कि गिलास पर से पानी की बूँदें टपक रही हैं। भरत सब कुछ समझ गया। वह बहुत खुश हुआ।

6. छुट्टी पत्र

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. पत्र क्यों लिखा जाता है?
3. लड़का चिट्ठी लेते हुए डाकिये से क्या बात कर रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तांडूर,

दिनांक : 13-08-2012

सेवा में,

प्रधानाध्यापक जी,

सरकारी माध्यमिक पाठशाला,

तांडूर।

महोदय,

मेरी दीदी का विवाह हैदराबाद में होने वाला है। सब शादी में जा रहे हैं। मैं भी जाना चाहती हूँ। इस कारण मुझे दिनांक 14- 08-2012 से 16-08-2012 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपकी आज्ञाकारी छात्रा,

मेधा,

क्रमांक : 17,

कक्षा : सातवीं

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. मेधा अपनी दीदी की शादी में क्यों जाना चाहती है?

2. शादी में क्या-क्या कार्यक्रम होते हैं? बताइए।

पढ़ो

(अ) निम्न वाक्यों को पढ़कर क्रम में लगाइए।

- धन्यवाद।
- मैं भी जाना चाहती हूँ।
- मेरी दीदी का विवाह हैदराबाद में होने वाला है।
- इस कारण मुझे दिनांक 14-08-2012 से 16-08-2012 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

लिखो

(अ) शब्दों को पत्र के आधार पर उचित स्थान पर लिखिए।

दिनांक, सेवा में, स्थान, आपकी आज्ञाकारी, धन्यवाद, महोदय, विषय, पता

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

पूज्य	सहेली	पूज्य पिताजी
श्रीमान	पिताजी	....
प्रिय	अध्यापक	....

(आ) परिवार के सदस्यों के नामों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

जैसे :- माता-पिता का नाम

1. .... - ....
2. .... - ....
3. .... - ....
4. .... - ....

(इ) सही संख्याएँ रिक्त स्थान में लिखिए।

(12, 60, 7, 24)

- वर्ष में .... महीने होते हैं।
- सप्ताह में .... दिन होते हैं।
- दिन में .... घंटे होते हैं।
- एक घंटे में .... मिनट होते हैं।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

यदि मेधा दीदी के विवाह की घटनाएँ डायरी में लिखती, तो क्या लिखती? सोच कर लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पत्र रचना के बारे में अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं छुट्टी पत्र लिख सकता/सकती हूँ।		

हमें हर दिन कुछ नया सीखना चाहिए।

SCERT TELANGANA

नन्हा मुन्ना राही हूँ...

-शकील बदायुनी

नन्हा मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ,
बोलो मेरे संग
जयहिंद, जयहिंद, जयहिंद,
जयहिंद, जयहिंद।
रास्ते पे चलूँगा न डर-डर के,
चाहे मुझे जीना पड़े मर-मर के,
मंज़िल से पहले न लूँगा कहीं दम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम! ।।नन्हा...।।

धूप में पसीना मैं बहाऊँगा जहाँ,
हरे-भरे खेत लहरायेंगे वहाँ,
धरती पे फाके न पायेंगे जनम,
आगे ही आगे बढ़ायेंगे कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम! ।।नन्हा...।।

बड़ा हो के देश का सहारा बनूँगा,
दुनिया की आँखों का तारा बनूँगा,
रखूँगा ऊँचा तिरंगा परचम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम! ।।नन्हा...।।

शांति की नगरी है मेरा ये वतन,
सबको सिखाऊँगा मैं प्यार का चलन,
दुनिया में गिरने न दूँगा कहीं बम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें, दाहिने बायें, थम! ।।नन्हा...।।

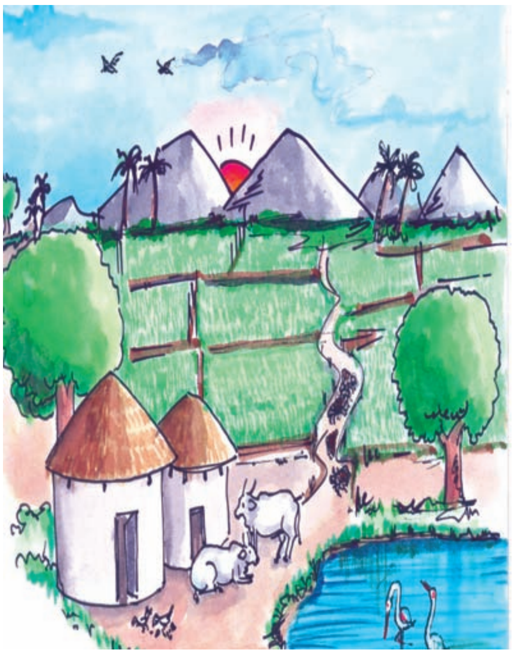

SCERT TELANGANA

इकाई - III

7. चारमीनार

सोचो-बोलो

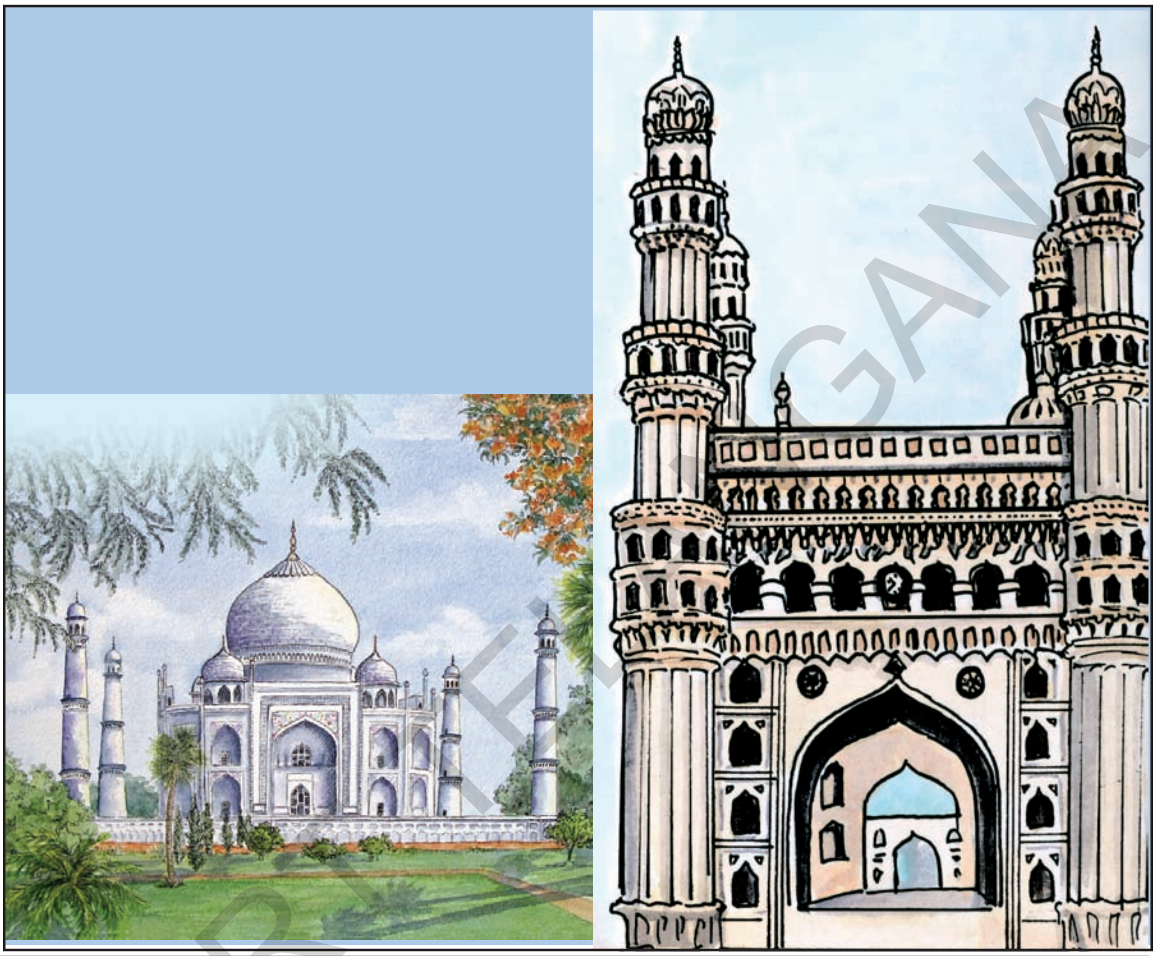

प्रश्न :

1. यह किसका चित्र है?
2. यह सफ़ेद रंग में क्यों दिखाई देता है?
3. इसकी सुंदरता के बारे में दो वाक्य बोलिए।

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

एक शहर किया आबाद,

जो कहलाया हैदराबाद।

कुली के सपनों का नगर,

सुंदर यहाँ की हर डगर।

आसमान को छूती मीनारें,

मिट्टी की मज़बूत दीवारें।

इसकी नक्काशी बेमिसाल,

इसकी उम्र चार सौ साल।

जिसने चारमीनार बनवाया,

मानवता का पाठ पढ़ाया।

इसके मीनार चार हैं भाई,

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. हैदराबाद के बारे में बताइए।
2. चारमीनार के बारे में आप क्या जानते हैं?

पढ़ो

(अ) नीचे दी गयी पंक्तियाँ पढ़िए। उनसे जुड़ी कविता की पंक्तियाँ सुनाइए।

- कुली कुतुबशाह ने चारमीनार का निर्माण करवाया। सबको मानवता का पाठ पढ़ाया।
- चारमीनार की मीनारें बहुत ऊँची हैं, इसकी दीवारें मिट्टी से बनी हैं और बहुत मज़बूत हैं।
- चारमीनार के निर्माण के चार सौ वर्ष हो चुके हैं, किंतु आज भी ऐसी सुंदर नक्काशी कहीं और नहीं मिलती।

लिखो

(अ) चारमीनार के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।

....

....

....

....

....

SCERT TELANGANA

(आ) प्राचीन काल में राजाओं ने कई ऐतिहासिक इमारतों का निर्माण किया। कुछ इमारतों और राजाओं के नाम लिखिए।

इमारत	--------------------	राजा
उदाहरण :- ताजमहल	--------------------	शाहजहाँ
1. --		---
2. --		---
3. --		---
4. --		---

शब्द भंडार

(अ) **निर्देश के अनुसार लिखिए।**

- एक <u>नया</u> शहर आबाद किया। (रेखांकित शब्द का विलोम लिखकर वाक्य फिर से लिखिए।)

....

- इसकी <u>चार</u> मीनारें हैं। (रेखांकित शब्द के स्थान पर 'एक' लिखकर वाक्य फिर से लिखिए।)

....

- <u>आसमान</u> को छूती मीनारें। (रेखांकित शब्द का पर्याय लिखकर वाक्य फिर से लिखिए।)

....

भाषा की बात

(अ) **समझिए और पढ़िए।**

मीनार - मीनारें

दीवार - दीवारें

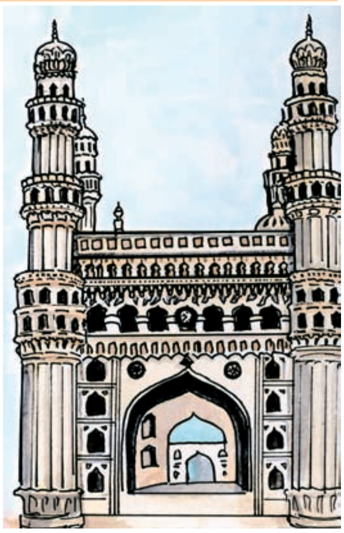

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने मित्र की प्रशंसा करते हुए पत्र लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं कविता के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं कविता का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

ऐतिहासिक इमारतें हमारे देश की धरोहर हैं।

SCERT TELANGANA

8. हमारे त्यौहार

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. कुछ त्यौहारों के नाम बताइए।
3. स्त्रियाँ क्या गा रही होंगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

(शारदा और रशीदा दोनों सहेलियाँ हैं। वे एक ही पाठशाला में पढ़ती हैं। दशहरे की छुट्टियों के बाद मिलती हैं। बातचीत करती हुई चलती हैं।)

रशीदा : कैसी हो शारदा?

शारदा : मैं ठीक हूँ। तुम कैसी हो?

रशीदा : मैं भी ठीक हूँ। तुमने दशहरा कैसे मनाया?

शारदा : बहुत अच्छी तरह।

रशीदा : दशहरा त्यौहार कहाँ-कहाँ मनाया जाता है?

शारदा : दशहरा त्यौहार पूरे देश में मनाया जाता है। इन दिनों जगह-जगह पर गौरी पूजा की जाती है।

रशीदा : तेलंगाणा राज्य में गौरी पूजा किस त्यौहार के रूप में मनाते हैं?

शारदा : हमारे तेलंगाणा राज्य में गौरी पूजा के रूप में बतुकम्मा त्यौहार मनाते हैं।

रशीदा : हाँ, मुझे पता है। हमारे पड़ोस में भी बतुकम्मा खेलते हैं। तरह-तरह के फूलों

SCERT TELANGANA

से सजी बतुकम्मा सुंदर लगती है।

शारदा : सही कहा तुमने। महिलाएँ और लड़कियाँ सामूहिक रूप से गीत गाती हुई बतुकम्मा के चारों ओर घूमती हैं। बतुकम्मा को गौरी माँ का रूप मानती हैं।

रशीदा : एक बार बतुकम्मा की दो पंक्तियाँ गाकर सुनाओ न!

शारदा : हाँ-हाँ क्यों नहीं ! लो सुनो-

बतुकम्मा बतुकम्मा उय्यालो, बंगारु गौरम्मा उय्यालो।

मा ऊरू कोच्चिंदी उय्यालो, मा इंटिकोच्चिंदी उय्यालो।।

रशीदा : वाह! बहुत अच्छा गीत है।

शारदा : बतुकम्मा जैसे लोक उत्सव देश की शोभा बढ़ाते हैं।

रशीदा : हाँ शारदा... तुम ठीक कहती हो। अच्छा मैं चलती हूँ।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. त्यौहार क्यों मनाते हैं? आपको अन्य धर्मों के कौन-कौन से त्यौहार पसंद है?

2. महिलाओं व लड़कियों द्वारा मनाये जाने वाले कुछ विशेष त्यौहारों के नाम बताइए।

पढ़ो

(अ) किसने कहा-

1. वाह! बहुत अच्छा गीत है!

2. हाँ-हाँ क्यों नहीं! लो सुनो-

3. हमारे पड़ोस में बतुकम्मा खेलते हैं।

लिखो

1. बतुकम्मा उत्सव कैसे मनाया जाता है?

....

....

2. आपके घर में कौनसा उत्सव धूम-धाम से मनाया जाता है? उसमें आप क्या करते हैं? लिखिए।

....

....

....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) वर्ग पहेली में से त्यौहारों के नाम चुनकर लिखिए।

दी	पा	व	ली	र
प	रा	न	ग	म
हो	क्रि	च	त	जा
ली	ओ	स	प	न
गा	त	ण	म	ल
सं	क्रां	ति	म	स

....

....

....

....

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये वाक्य और चित्र ध्यान से देखिए।

<u>मैं</u> खेलता हूँ।

<u>हम</u> खेलते हैं।

<u>यह</u> खेलता है।

<u>ये</u> खेलते हैं।

<u>वह</u> खेलता है।

<u>वे</u> खेलते हैं।

ऊपर दिये गये वाक्यों में रेखांकित शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं।

सर्वनाम :- संज्ञा के स्थान पर आनेवाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं। जैसे :- मैं, तू, तुम, आप, यह, वह, ये, वे, हम आदि।

SCERT TELANGANA

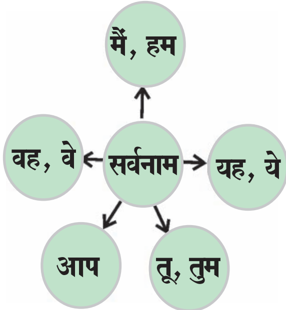

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपने मनपसंद किसी त्यौहार की शुभकामनाएँ देते हुए छोटा सा (SMS)बनाइए।

....

....

....

....

....

परियोजना कार्य

लोक उत्सव गीत इकट्ठा कीजिए चार्ट पर चिपकाइए। कक्षा में सुनाइए।

जैसे : बतुकम्मा बतुकम्मा उय्यालो, बंगारु गौरम्मा उय्यालो।

मा ऊरू कोच्चिंदी उय्यालो, मा इंटिकोच्चिंदी उय्यालो।।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

त्यौहार से मेलजोल की भावना बढ़ती है।

SCERT TELANGANA

स्वच्छता और स्वास्थ्य

पढ़ो-आनंद लो

पाठशाला का समय हुआ। टन-टन टन-टन घंटी बजी। सभी बच्चे मैदान में जमा हुए। प्रार्थना हुई। प्रार्थना के बाद प्रधानाध्यापक ने स्वास्थ्य रक्षा कार्यक्रम की जानकारी दी। सभी छात्रों को भाग लेने के लिए कहा।

सभी बच्चे अपनी-अपनी कक्षाओं की साफ़-सफ़ाई में लग गये। साथ-साथ कक्षा की सजावट भी करने लगे। देखते-देखते पाठशाला का वातावरण ही बदल गया। वहाँ का सारा वातावरण स्वच्छ हो उठा।

दोपहर के भोजन के बाद स्वास्थ्य रक्षा कार्यक्रम आरंभ हुआ। इसमें प्रधानाध्यापक, सभी अध्यापक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, सरपंच के अलावा छात्र व उनके माता-पिता भी आये थे।

कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिला स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य रक्षा के बारे में बताने लगे- ‘‘स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छ रहना ज़रूरी है, स्वच्छ रहना माने...हर दिन स्नान करना चाहिए। साफ़ कपड़े पहनने चाहिए। नाखून बढ़ने पर उन्हें काटना चाहिए। सिर पर तेल लगाकर कंघी करनी चाहिए। भोजन से पहले हाथ धोने चाहिए। नल-कूपों के पास भी सफ़ाई रखनी चाहिए।’’

इसके बाद प्रधानाध्यापक ने शरीर की स्वच्छता के बारे में बताया। सरपंच जी ने अपने भाषण में अड़ोस-पड़ोस की सफ़ाई का महत्व समझाया। जब कार्यक्रम समाप्त हुआ तो बच्चों ने ज़ोरदार तालियाँ बजायीं।

SCERT TELANGANA

9. गुसाडी

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. कुछ प्रसिद्ध लोकनृत्यों के नाम बताइए।
3. नाचती हुई इन महिलाओं के मन में कौनसी भावना होगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

मेरा नाम जंगु है। मैं आदिलाबाद के गोंड जनजाति का युवक हूँ। मैं गोंडी भाषा में बात करता हूँ। यह भाषा बहुत ही मीठी होती है।

हमारी भी एक विशेष संस्कृति है। गुसाडी हमारी संस्कृति का प्रमुख नृत्य है। नाचते समय हमारी विशेष वेश-भूषा होती है। हम विविध उत्सवों पर नृत्य करते हैं। 'जंगुदाई' हमारी देवी हैं। हम इनकी विशेष पूजा करते हैं। हमारा मानना है कि वे हमें संकटों से बचाती हैं। हम मोर के पंखों से बनी पगड़ी पहनते हैं। मुझे अपनी संस्कृति बहुत पसंद है।

पुरुष ढोल बजाते हैं, तो स्त्रियाँ गाना गाती हैं। हमारे गीत की प्रसिद्ध पंक्ति- '' रेला .... रेला '' है। जैसा हम गाते हैं, वैसा ही नृत्य भी करते हैं।

हम जंगल में रहते हैं। यहाँ से शहर बहुत दूर है। हम तक पहुँचने के लिए सड़कों व बसों की सुविधाएँ बहुत कम हैं। अब सरकार सुविधाएँ देने का प्रयास कर रही है।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. शहर दूर होने के कारण गोंड जनजाति के लोगों को क्या-क्या कठिनाइयाँ होती हैं?

2. कुछ लोकनृत्यों के बारे में बताइए? जैसे :- कोलाटम, डांडिया आदि।

पढ़ो

(अ) वाक्यों का क्रम सही कीजिए।

- बहुत मीठी है होती भाषा यह।

....

- संस्कृति प्रमुख है नृत्य गुसाडी का हमारी।

....

- बजाते हैं ढोल पुरुष।

....

- दूर हैं होते शहर बहुत।

....

लिखो

(अ) गुसाडी नृत्य के बारे में आप क्या जानते हैं?

....

....

....

....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) जोड़िए और नये वाक्य लिखिए।

दिवाली	रंग खेलते हैं।		....
ईद	दीप जलाते हैं।		....
क्रिसमस	ईदगाह जाते हैं।		....
होली	झंडा फहराते हैं।		....
स्वतंत्रता दिवस	सैंटा आते हैं।		....

(आ) वाद्‍य यंत्रों के नाम लिखिए।

तबला ढोल बाँसुरी वायोलिन वीणा

....

....

....

....

....

SCERT TELANGANA

(इ) वर्गपहेली में से पाठ में आये शब्दों को ढूँढकर लिखिए।

ज	गु	सा	डी	ल
न	वे	नृ	त्य	प
जा	जं	श	गों	डी
ति	गु	ता	भू	ला
कु	यु	व	क	षा

नृत्य

....

....

....

....

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये वाक्य ध्यान से देखिए।

- मैं गुसाडी नृत्य करता हूँ। जैसे :- हम गुसाडी नृत्य करते हैं।
- मैं पर्व मनाता हूँ। ....
- मैं पुस्तक पढ़ता हूँ। ....
- मैं पानी पीता हूँ। ....
- मैं खाना खाता हूँ। ....

ऊपर दिये गये वाक्यों के आधार पर 'हम' शब्द का उपयोग करते हुए कुछ वाक्य बनाइए।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

मोर के पंख का चित्र उतार कर दो वाक्य लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

प्यारी बिटिया

पढ़ो-आनंद लो

लड़की : बूढ़े बाबा क्यों बैठे हो, अपने घर जाओ।
रात अंधेरी सरदी भरी, यहाँ बैठे क्या पाओ।।

बूढ़ा : देखो बेटी, मैं हूँ बूढ़ा, चला नहीं अब जाता।
आँखों से भी कम दिखता है, फिर बुखार भी आता।।

लड़की : कहाँ तुम्हारा घर है बाबा, बोलो, किसे बुलाऊँ?
यहाँ ठहरना ठीक नहीं है, आओ राह दिखाऊँ।।

बूढ़ा : बड़ी भली हो बिटिया रानी, पकड़ो मेरा हाथ।
धीरे-धीरे चला चलूँगा, मैं अब तेरे साथ।।

लड़की : दूर तुम्हारा घर है बाबा, चले चलो घर मेरे।
आज रात को यहीं रहो, तुम जाना सुबह सवेरे।।

बूढ़ा : सुखी रहो तुम प्यारी बिटिया, तुमने मुझे बचाया।
रात अंधेरी सरदी भरी, काँप रही थी काया।।

NCERT TELANGANA

इकाई - IV

10. कबीर के दोहे

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहा है?
2. दोनों पेड़ों में क्या अंतर है?
3. इन दोनों पेड़ों में से कौन-सा पेड़ अधिक उपयोगी है? क्यों?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

कबीर संत कवि हैं। वे समाज सुधारक भी थे। उनके दोहे 'बीजक' में हैं। इनकी भाषा 'सधुक्कड़ी' है। इनके दोहों में मानवता की भावना है।

काल करै सो आज कर, आज करै सो अब।
पल में परलै होयगो, बहुरी करैगो कब।।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. आपको दोहे कैसे लगे? कोई एक दोहा गाकर सुनाइए।

2. हमारे समाज में क्या-क्या समस्याएँ हैं?

पढ़ो

(अ) कविता पढ़िए और निम्नलिखित भाव किन पंक्तियों में आये हैं? उन पंक्तियों को लिखिए।

- कबीर ने समय से पूर्व काम करने की बात की है।

....

....

- बड़ा होने से कुछ नहीं होता। काम बड़े होने चाहिए।

....

....

लिखो

(अ) नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. छाया देने वाले पेड़ों के नाम लिखिए।

....

SCERT TELANGANA

....

2. हमें अपने साथियों के साथ आपस में कैसा व्यवहार करना चाहिए?

....

....

(आ) आप अपना काम समय पर करते हैं। नीचे दिये समय पर आप क्या-क्या काम करते हैं?

सुबह सात बजे : ....

सुबह नौ बजे : ....

दोपहर एक बजे : ....

शाम चार बजे : ....

रात नौ बजे : ....

शब्द भंडार

(अ) शीतल का अर्थ है- ठंडा। दो ठंडी चीजों के नाम लिखिए।

जैसे : बर्फ

....

....

विचार-विमर्श

हम अपना शरीर नहीं बनाते हैं। पेड़-पक्षी भी प्रकृति की रचना हैं इसीलिए हमें अपने रंग-रूप पर न तो शर्म आनी चाहिए और न ही गर्व करना चाहिए। हम अपने व्यवहार पर गर्व और शर्म महसूस कर सकते हैं।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

(अ) पढ़िए। अर्थ समझिए।

पल - क्षण परलै - प्रलय

नीर - पानी आपा - अहंकार

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) अपना मनपसंद कोई एक नीति वाक्य लिखिए।

....

....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं दोहों के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं दोहों का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं दोहों के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

समय का बड़ा महत्व है। - *महात्मा गांधी*

विचार-विमर्श

- जब कोई आपके व्यवहार या कौशल की प्रशंसा करता है तब आपको कैसा लगता है?
- जब कोई आपको चिढ़ाता है या नीचा दिखाता है तब आपको कैसा लगता है?
- चिढ़ाने वाले का चरित्र कैसा है? चिढ़ाने वाले व्यक्ति से आप बिना लड़े-झगड़े कैसे निपट सकते हैं?

SCERT TELANGANA

11. साहसी सुनीता

सोचो-बोलो

SCERT TELANGANA

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. लड़की क्या सोच रही होगी?
3. साहस किसने किया? कैसे?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

सुनीता घास लेकर घर जा रही थी। उसके साथ माँ भी थी। रास्ते में रेल की पटरी थी। वहाँ से रेलगाड़ी के निकलने का समय हो गया था। सुनीता और उसकी माँ पटरी के पास रुक गयीं। तभी सुनीता की नज़र रेल की पटरी पर पड़ी, उसे वह पटरी टूटी हुई लगी। सुनीता की माँ पटरी देखकर बोली - ''यह पटरी तो टूटी है!'' दोनों इधर-उधर देखने लगीं। रेलवे स्टेशन भी वहाँ से दूर था।

SCERT TELANGANA

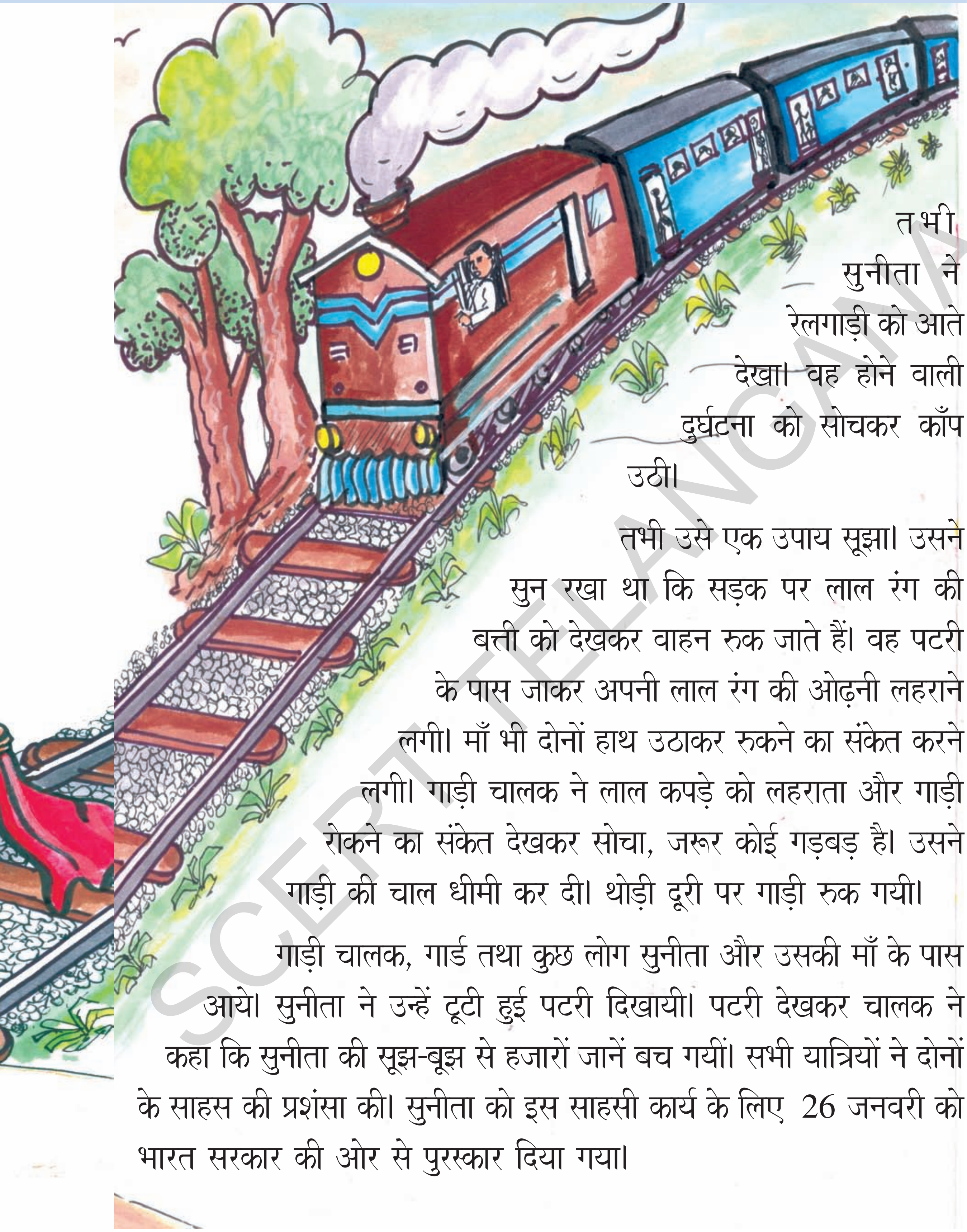

तभी सुनीता ने रेलगाड़ी को आते देखा। वह होने वाली दुर्घटना को सोचकर काँप उठी।

तभी उसे एक उपाय सूझा। उसने सुन रखा था कि सड़क पर लाल रंग की बत्ती को देखकर वाहन रुक जाते हैं। वह पटरी के पास जाकर अपनी लाल रंग की ओढ़नी लहराने लगी। माँ भी दोनों हाथ उठाकर रुकने का संकेत करने लगी। गाड़ी चालक ने लाल कपड़े को लहराता और गाड़ी रोकने का संकेत देखकर सोचा, जरूर कोई गड़बड़ है। उसने गाड़ी की चाल धीमी कर दी। थोड़ी दूरी पर गाड़ी रुक गयी।

गाड़ी चालक, गार्ड तथा कुछ लोग सुनीता और उसकी माँ के पास आये। सुनीता ने उन्हें टूटी हुई पटरी दिखायी। पटरी देखकर चालक ने कहा कि सुनीता की सूझ-बूझ से हजारों जानें बच गयीं। सभी यात्रियों ने दोनों के साहस की प्रशंसा की। सुनीता को इस साहसी कार्य के लिए 26 जनवरी को भारत सरकार की ओर से पुरस्कार दिया गया।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. सुनीता पटरी के पास क्यों रुक गयी?

2. चालक के लिए लाल और हरा झंडा किसके सूचक हैं?

पढ़ो

(अ) उचित शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. सुनीता घास लेकर .... जा रही थी। (घर / शहर)

2. .... स्टेशन वहाँ से दूर था। (बस / रेलवे)

3. वह पटरी के पास जाकर .... लहराने लगी। (ओढ़नी / झंडा)

4. भारत सरकार ने .... के दिन सुनीता को पुरस्कार दिया। (15 अगस्त / 26 जनवरी)

लिखो

1. ट्राफिक सिगनल्स (यातायात नियम) के बारे में तुम क्या जानते हो? अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

शब्द भंडार

रेलवे स्टेशन से जुड़े कुछ शब्द लिखिए।

1................... 2.......................... 3........................ 4..........................

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

लड़का खेलता है। माँ भोजन बनाती है।

बालक कहानी पढ़ता है। वह कविता लिखती है।

ऊपर दिये गये वाक्यों में आना, दौड़ना, लिखना, पढ़ना, बनाना, खाना आदि शब्द संज्ञा या सर्वनाम द्वारा किये गये कार्य को बतलाते हैं। ऐसे शब्दों को क्रिया कहते हैं।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

सुनीता को उसके साहसी कार्य के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार दिया गया। उसे बधाई देते हुए दो वाक्य लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

मन का साहस विश्वास बढ़ाता है।

जानिए...

कोई भी बच्चा 'चाइल्ड लाइन 1098' को फ़ोन करके नियम तोड़ने वाले के खिलाफ़ शिकायत दर्ज करा सकता है।

SCERT TELANGANA

घंटे की आवाज़

पढ़ो-आनंद लो

SCERT TELANGANA

उसी नगर में होशियार लड़की रहती थी। वह राजा के पास गयी। उसने कहा- ''महाराज, मैं घंटा बजाने वाले राक्षस का मुकाबला करूँगी।''
सब लोग आश्चर्यचकित थे। लड़की जंगल गयी। वहाँ उसने काँटे और झाड़ियाँ साफ कर एक झोपड़ी बनायी। वहाँ पशु-पक्षी आने लगे।
एक दिन घंटे की आवाज़ सुनायी दी, तो लड़की उसी दिशा की ओर दौड़ी। देखा कि सामने बंदरों का झुंड है। उन्हीं के बीच एक बड़ा-सा घंटा पड़ा है। बंदर रह-रहकर उसे बजाते।
लड़की ने एक थैले में ढेर सारे फल भरकर बंदरों के आगे डाल दिये। सब बंदर फल खाने में लग गये।
लड़की ने घंटा उठाया और खुशी-खुशी घर पहुँची। वह समझ गयी थी कि घंटे वाले राक्षस की बात झूठी है। वास्तव में घंटा बंदर ही बजाते थे।
उस दिन के बाद से घंटा बजने की आवाज़ किसी ने नहीं सुनी।
होशियार लड़की को राजा की ओर से ढेर सारे उपहार मिले। सब ने उसकी होशियारी और हिम्मत की प्रशंसा की।

12. आत्मविश्वास

सोचो-बोलो

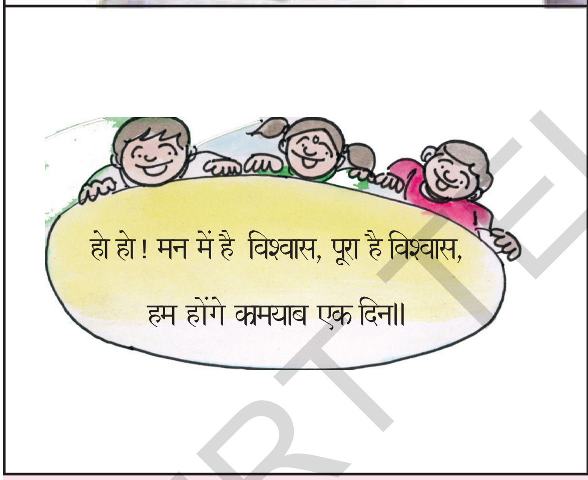

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. इनके लिए आप क्या करना चाहेंगे?
3. इनकी सहायता करने के लिए खड़ा लड़का क्या कह रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

रोहित पिछले साल छुट्टियाँ बिताने कश्मीर गया था। लौटते समय एक दुर्घटना में वह सुनने की शक्ति खो बैठा। वह खुद को लाचार महसूस करने लगा। वह उदास रहने लगा।

एक दिन रोहित के पिता ने उसे कुछ किताबें देते हुए समझाया, ''तुम सुन नहीं पाते हो तो क्या हुआ, देख तो सकते हो। जीवन में कुछ बनना है, तो खूब पढ़ो।''

एक दिन वह बगीचे में बैठा था। एक चिड़िया आकर पेड़ पर बैठ गई। वह एक रंग-बिरंगी चिड़िया थी। रोहित ने उसे देखा, तब उसके मन में आया कि उस सुंदर चिड़िया का चित्र बनायें। रोहित ने तुरंत ही कॉपी-पेंसिल निकाली और चिड़िया का चित्र बना डाला। उसे वह चित्र बहुत अच्छा लगा। एक दिन वह तश्तरी में रंग मिला रहा था। उसने पिता को दरवाज़े पर खड़ा देखा।

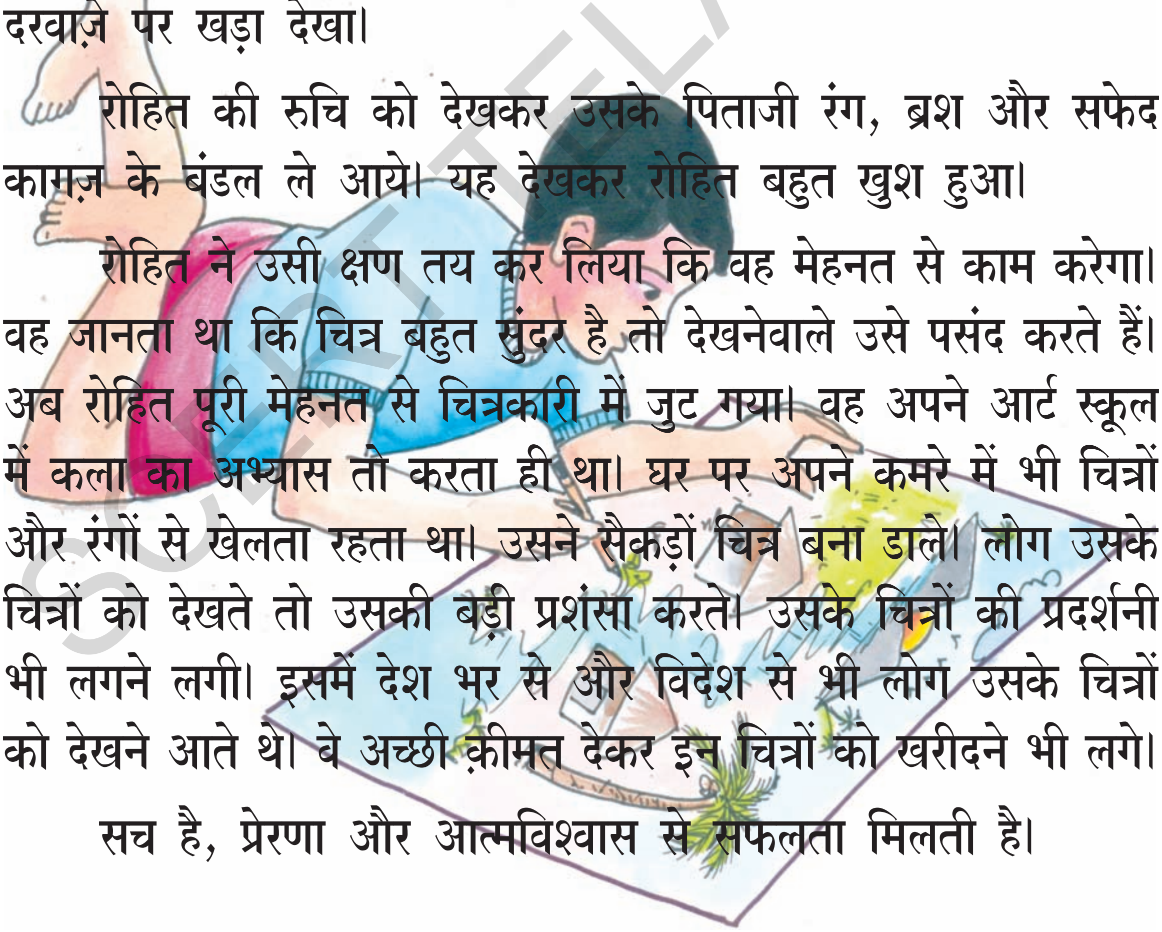

रोहित की रुचि को देखकर उसके पिताजी रंग, ब्रश और सफेद कागज़ के बंडल ले आये। यह देखकर रोहित बहुत खुश हुआ।

रोहित ने उसी क्षण तय कर लिया कि वह मेहनत से काम करेगा। वह जानता था कि चित्र बहुत सुंदर है तो देखनेवाले उसे पसंद करते हैं। अब रोहित पूरी मेहनत से चित्रकारी में जुट गया। वह अपने आर्ट स्कूल में कला का अभ्यास तो करता ही था। घर पर अपने कमरे में भी चित्रों और रंगों से खेलता रहता था। उसने सैकड़ों चित्र बना डाले। लोग उसके चित्रों को देखते तो उसकी बड़ी प्रशंसा करते। उसके चित्रों की प्रदर्शनी भी लगने लगी। इसमें देश भर से और विदेश से भी लोग उसके चित्रों को देखने आते थे। वे अच्छी क़ीमत देकर इन चित्रों को खरीदने भी लगे।

सच है, प्रेरणा और आत्मविश्वास से सफलता मिलती है।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. रोहित की तरह आपको किन चीज़ों में रुचि हैं?
2. आत्मविश्वास के रहने पर हम क्या-क्या कर सकते हैं?

पढ़ो

(अ) उचित शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. रोहित ....(पत्रकार / चित्रकार) है।
2. वह .... (सुनने / बोलने) की शक्ति खो बैठा।
3. एक दिन वह .... (बस / बगीचे) में बैठा था।
4. लोग उसके चित्रों की बड़ी .... (बुराई / प्रशंसा) करते थे।

(आ) निम्न लिखित व्यक्तियों को क्या कहते हैं?

जैसेः जो चित्र बनाता है उसे चित्रकार कहते हैं। उसी प्रकार

- जो कविता लिखता है ....
- जो अभिनय करता है ....
- जो गाना गाता है ....

लिखो

रोहित के द्वारा बनाए गए चित्र के बारे में दो वाक्य लिखिए।

....

....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

रोहित बगीचे में बैठा था। अब बताइए कि घूमने के लिए आप कहाँ-कहाँ जाते हैं?

....

भाषा की बात

लड़का तेज़ दौड़ता है। लड़का धीरे-धीरे चलता है।

ऊपर दिये गये वाक्यों में तेज़, धीरे-धीरे आदि शब्द संज्ञा या सर्वनाम द्‌वारा किये गये कार्य की विशेषता बताते हैं। ऐसे शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपना मनपसंद चित्र बनाकर उसके बारे में दो-तीन वाक्य लिखिए।

....

....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

लक्ष्य प्राप्त करने की दृढ़ इच्छा हो तो विकलांगता या अन्य कोई भी परिस्थिति अड़चन नहीं बन सकती।

SCERT TELANGANA

कंजूस सेठ

पढ़ो-आनंद लो

एक था सेठ। एक दिन उसे नारियल की ज़रूरत पड़ गयी। वह नारियल लेने बाज़ार पहुँचा। उसने दुकानदार से पूछा- "एक नारियल कितने का ?"

दुकानदार बोला- "दस रुपये का।"

सेठ बोला- "दस रुपये के दो दे दो ना।"

दुकानदार बोला- "आगे मिलेंगे।"

सेठ आगे गया। वहाँ दस रुपये के दो नारियल मिल रहे थे।

सेठ बोला- "दस रुपये के चार दे दो ना।"

दूसरा दुकानदार बोला- "आगे मिलेंगे।"

सेठ आगे गया। वहाँ दस रुपये के चार नारियल मिल रहे थे।

सेठ बोला- "दस रुपये के आठ दे दो ना।"

तीसरा दुकानदार बोला- "आगे नारियल के पेड़ हैं। वहीं से तोड़ लो। कुछ भी नहीं देना पड़ेगा।"

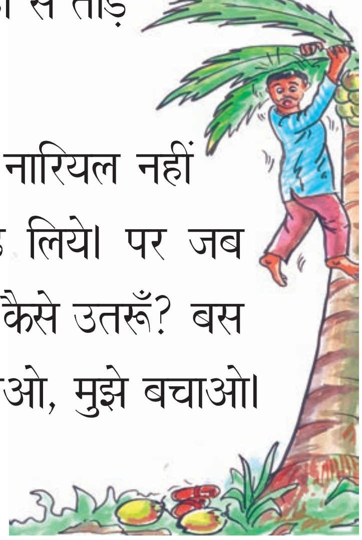

सेठ पेड़ के पास पहुँचा। उसने पेड़ पर से पहले कभी नारियल नहीं तोड़े थे। वह पेड़ चढ़ गया। खूब सारे नारियल तोड़ लिये। पर जब उतरने के लिए सोचा तो डरने लगा। इतने ऊँचे पेड़ से कैसे उतरूँ? बस वह पेड़ पर लटके-लटके ही चिल्लाने लगा- "मुझे बचाओ, मुझे बचाओ। बचाने वाले को दो हज़ार रुपये दूँगा..."

SCERT TELANGANA

शब्दकोश

अँधेरा	=	చీకటి, darkness	रात में **अँधेरा** होता है।
अदरक	=	అల్లం, ginger	**अदरक** की चाय अच्छी होती है।
अचानक	=	అకస్మాత్తుగా, of a sudden	**अचानक** घंटी बजने लगी।
अड़ोस-पड़ोस	=	ఇరుగు-పొరుగు, surrounding	**अड़ोस-पड़ोस** की सफ़ाई ज़रूरी है।
अभिलाषा	=	కోరిక, desire	मोहिनी को डॉक्टर बनने की **अभिलाषा** है।
आँख मिचौनी	=	దాగుడుమూతలు, hide and seek	बच्चों को **आँख मिचौनी** खेलना बहुत पसंद है।
आबाद	=	అభివృద్ధిపరుచుట, inhabited	कुली कुतुबशाह ने हैदराबाद शहर **आबाद** किया।
आसमान	=	ఆకాశం, sky	**आसमान** में हवाई जहाज उड़ते हैं।
उत्सव	=	పండుగ, festival	मुझे गणेश **उत्सव** पसंद है।
उदास	=	నిరాశగా, sad	**उदास** व्यक्ति को सहायता लेनी चाहिए।
उपहार	=	బహుమతి, gift	जन्मदिन के अवसर पर **उपहार** मिलते हैं।
उम्र	=	వయసు, age	मेरी **उम्र** बारह साल है।
कंजूस	=	పిసినారి, miser	राजू बड़ा **कंजूस** है।
ककड़ी	=	ఖీరదోస, cucumber	गरमियों में **ककड़ी** खाना अच्छी बात है।
कठिनाई	=	కష్టం, difficulty	**कठिनाई** सूझ-बूझ से सरल हो जाती है।
कीमत	=	వెల, price	सोने की **कीमत** रोज बढ़ रही है।
कीचड़	=	బురద, mud	**कीचड़** में कमल खिलते हैं।
खरगोश	=	కుందేలు, rabbit	**खरगोश** तेज़ दौड़ता है।
खर्च	=	వ్యయం, expenditure	सोच-समझकर **खर्च** करना चाहिए।
घास	=	గడ్డి, grass	गाय **घास** खाती है।
चंचल	=	చంచలమైన, Fickle agile	बच्चे **चंचल** होते हैं।
चूल्हा	=	పొయ్యి, stove	लड़का **चूल्हे** पर खाना बना रही है।
छाया	=	నీడ, shadow	बच्चे पेड़ की **छाया** में खेल रहे हैं।
छुट्टी	=	సెలవు, holiday	रविवार के दिन **छुट्टी** होती है।
ज़रूरत	=	అవసరం, need	सर्दियों में स्वेटर की **ज़रूरत** पड़ती है।
झुंड	=	గుంపు, group	हाथी **झुंड** में रहना पसंद करते हैं।
डगर	=	దారి, way	शांति की **डगर** पर चलना चाहिए।
तना	=	చెట్టు బోదె, stem	आम के पेड़ का **तना** मज़बूत होता है।
दिशा	=	దిక్కు, direction	पूर्व **दिशा** में सूर्य उगता है।
दुर्घटना	=	దుర్ఘటన, accident	बस और लॉरी के टकराने से **दुर्घटना** हो गयी है।
नक्काशी	=	చెక్కుట, carving	चारमीनार की **नक्काशी** सुंदर है।
नाखून	=	గోళ్ళు, nails	**नाखून** बढ़ने पर काट लेना चाहिए।

SCERT TELANGANA

पंख	=	రెక్కలు, wings	पक्षियों के **पंख** होते हैं।
पगड़ी	=	తలపాగ, turban	गोंड जनजाति की **पगड़ी** सुंदर होती है।
परात	=	పెద్దపళ్ళెం, big plate	**परात** में फूल रखे हैं।
पसीना	=	చెమట, sweat	बहुत खेलने पर शरीर से **पसीना** निकलता है।
पुरस्कार	=	బహుమానం, award	राकेश को खेल में **पुरस्कार** मिला।
बाढ़	=	వరద, flood	**बाढ़** में बहुत हानि होती है।
बुख़ार	=	జ్వరం, fever	नरेश को **बुख़ार** है।
भाप	=	ఆవిరి, steam	चाय को गर्म करने पर **भाप** निकलती है।
भाषण	=	ఉపన్యాసం, speech/lecture	मारिया **भाषण** दे रही है।
मंज़िल	=	గమ్యం, goal	हमें अपनी **मंज़िल** तक पहुँचना चाहिए।
मज़बूत	=	బలంగా, strong	दीवार **मज़बूत** है।
महोदय	=	అయ్యా, sir	अध्यापक **महोदय** बात कर रहे हैं।
मुकाबला	=	పోటీ, competetion	हमें हिम्मत के साथ **मुकाबला** करना चाहिए।
मेहनत	=	శ్రమ, hardworking	हमें **मेहनत** करनी चाहिए।
राही	=	బాటసారి, traveller	**राही** अपनी मंज़िल की ओर बढ़ता ही रहता है।
लाचार	=	నిస్సహాయత, helpless	**लाचार** मोहन दिनभर रोता रहा।
लोमड़ी	=	నక్క, fox	**लोमड़ी** चालाक प्राणी है।
वेश-भूषा	=	కట్టు-బొట్టు, apparel, dressing	हमारे देश में अलग-अलग **वेश-भूषा** पहनते हैं।
शहर	=	నగరం, city	हैदराबाद बड़ा **शहर** है।
शान	=	గొప్ప, eligant	भारत की **शान** निराली है।
शाखा	=	కొమ్మ, branch	आम के पेड़ की **शाखाएँ** मज़बूत होती हैं।
संकट	=	కష్టం, trouble	**संकट** में फंसे लोगों की सहायता करनी चाहिए।
सच्चा	=	నిజమైన, truth/real	रवि मेरा **सच्चा** दोस्त है।
साल	=	సంవత్సరం, year	अगले **साल** मेरा भाई डॉक्टर बन जाएगा।
सिपाही	=	సైనికుడు, soldier	भारत के **सिपाही** वीर हैं।
सुविधा	=	సౌకర్యం, facility	सरकार जनता के लिए **सुविधाएँ** प्रदान करती है।
सूखा	=	అనావృష్టి, drought	**सूखा** पड़ने पर देश की स्थिति खराब हो जाती है।
स्वच्छता	=	పరిశుభ్రత, cleanliness	**स्वच्छता** से बीमारियाँ नही फैलती हैं।
हल्दी	=	పసుపు, turmeric	**हल्दी** पीली होती है।
हिम्मत	=	ధైర్యం, dareness	**हिम्मत** से काम लेना चाहिए।
होशियार	=	తెలివైన, clever	सभी ने **होशियार** लड़की की प्रशंसा की।

अध्यापकों के लिए सूचना

यहाँ पर शब्दों के अर्थ व उनके वाक्य प्रयोग दिये गये हैं। बच्चों को अर्थ समझाने के लिए और अधिक वाक्य प्रयोग सिखाइए।

SCERT TELANGANA